

एल०फ़नई,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक,
अर्थ एवं संख्या निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादून: दिनांक: 28 मार्च, 2005

विषय:- अनुदान संख्या-07 के लेखाशीर्षक संख्या- 3454-के अन्तर्गत के विभिन्न मदों में वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिए पुनर्विनियोग के माध्यम से अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति।

गोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक संख्या-2500/ले०पुन०/2004-05 दिनांक 16 मार्च 2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में अर्थ एवं संख्या निदेशालय हेतु 01-वेतन, 04-यात्रा भत्ता, 05-स्थानांतरण यात्रा भत्ता, 09-मोटर गाड़ियों का अनुरक्षण एवं 48-महंगाई वेतन मदों में संलग्न बी०एम०-15 के अनुसार बचतों से व्यावर्तित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में रुपये 4,53,000/- (रु० चार लाख तिरपन्न हजार मात्र) की धनराशि श्री राज्यपाल आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1- उक्त धनराशि केवल उन्हीं मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिए यह स्वीकृति की जा रही है। चालू योजना पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जायेगा।

2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्येज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा। टेलीफोन मद मितव्ययता की मद है। अतः इसमें विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।

3- यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृति धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय नहीं किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो, उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाय।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकता अनुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय का विवरण यथासमय प्रत्येक माह बी०एम०-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

5- यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

6- उक्त मदों में कुछ मदें मितव्ययता की मद है इसमें व्यय सीमित रखते हुए कटौती किये जाने का प्रयास किया जाय।

7- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखाशीर्षक-3454-जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनेत्तर-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान के अंतर्गत-00-संलग्नक के कालम-5 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

8- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 1075 / वि०अनु०-3/2004-05 दिनांक 23 मार्च, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(एल० फौनई)
अपर सचिव।

संख्या-261/02-XXVI-2004 टीसी,तददिनांक।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
 - 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
 - 3- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
 - ✓ 4- सामन्वयक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र,सचिवालय परिसर, देहरादून।
 - 5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

di
Chais

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव।

2

21/11

पुनर्विनियोग-2004-05 विवरण पत्र

प्रशासनिक विभाग- नियोजन विभाग । नियन्त्रक अधिकारी- सचिव, नियोजन । आयोजनोत्तानर (इनप्राति रुबर रुपये में) अनुदान संख्या-07

बजट प्राधिकार तथा लेखाधीन का विवरण	मानक मंदवार अन्तराधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष धनराशि (संरक्षण)	लेखाधीन अतिरिक्त स्थापनापरिचि क्रिया ज्ञान है	इनप्राति	पुनर्विनियोग के बाद खान -5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद खान -01 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी	
1	2	3	4	5	6	7	8		
3454- जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनोत्तर-001- निर्देशन तथा प्रशासन-03- अर्थ एवं संस्था अधिष्ठापन-03-मंत्रगार्ह भत्ता-06-अन्य भत्ता -	4620 1836	4031 1634	182 44	407 160	3454- जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी 02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनोत्तर 001- निर्देशन तथा प्रशासन 03-अर्थ एवं संस्था अधिष्ठापन-01-देतन- 04-यात्रा व्यय- 05-स्थानांतरण यात्रा भत्ता 15-मोटर गाहियों का अनुपकरण और-पेट्रोल आदि की खरीद- 48-मंत्रगार्ह देतन-	रु० 40 रु० 74 रु० 12 रु० 32 रु० 295	12440 424 187 152 3995	9213 1792	
योग-	6459	5665	226	567	रु० 453	17178	6005		

इनाप्रित क्रिया ज्ञान है कि पुनर्विनियोग के बजट मैनुअल को धरितम्बर - 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्राधिकारों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है ।

(टीकम सिंह पंचर)
संयुक्त सचिव

NIC-1480

उत्तरांचल शासन
वित्त अनुभाग-3
संख्या-
देहरादून: दिनांक मार्च, 2005
(1)/वि0अनु0-03/2005

पुनर्विधायन स्वीकृत।

सेवा में,

के0सी0 भिन्न
अपर सचिव

महोदयैकाकार, उत्तरांचल,
ओवरलैप मोटर्स लिमिटेड,
सहारनपुर रोड, देहरादून।

संख्या- /36(2003)-XXXIV / 2004, तद्दिनांक।

- 1- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-
करीब कोषाधिकारी, देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-03, उत्तरांचल शासन।

आज्ञा से,

- *Shank*

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव।